भारत सरकार
पर्यटन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न सं. +3361
सोमवार, 9 अगस्त, 2021/18 श्रावण1943 (शक)
को दिया जाने वाला उत्तर

विरासत स्थलों की पहचान और पुनरूद्धार के लिए परियोजना

+3361. श्री प्रज्ज्वल रेवन्ना:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार का अधिक से अधिक पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए कर्नाटक के हासन जिले में बेलूरू, हलेबीडु, श्रवणबेलगोला सहित विरासत स्थलों और पर्यटन स्थलों की पहचान करने और पुनरूद्धार के लिए किसी परियोजना/सर्किट/हब को कार्यान्वित करने का विचार है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण स्थानों की सुरक्षा के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए है;

(ग) क्या सरकार को उक्त परियोजना में किसी अन्य पर्यटन स्थल को शामिल करने के लिए कर्नाटक राज्य सरकार से कोई प्रस्ताव प्राप्त हुआ है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) से (घ): पर्यटन का विकास, पहचान एवं संवर्द्धन प्रमुख रूप से राज्य सरकार/ संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन की जिम्मेदारी है। पर्यटन मंत्रालय, 'स्वदेश दर्शन' और 'तीर्थयात्रा जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद) पर राष्ट्रीय मिशन' की अपनी योजनाओं के तहत कर्नाटक सहित देश में पर्यटन अवसंरचना के विकास के लिए राज्य सरकारों/केंद्र शासित प्रदेश (यूटी) प्रशासनों आदि को वित्तीय सहायता प्रदान करता है। परियोजनाओं की स्वीकृति एक सतत प्रक्रिया है और उन्हें निधि की उपलब्धता, उपयुक्त विस्तृत परियोजना रिपोर्ट की प्रस्तुति, योजना दिशानिर्देशों के अनुपालन और पूर्व में जारी की गई धनराशि के उपयोग आदि की शर्त पर स्वीकृत किया जाता है।

स्वदेश दर्शन योजना में नई परियोजनाओं की स्वीकृति समीक्षाधीन है। स्वदेश दर्शन योजना के तहत कर्नाटक से कोई भी परियोजना प्रस्ताव स्वीकृति हेतु विचाराधीन नहीं है।

तथापि, 'चामुंडेश्वरी देवी' (मैसूर जिला, कर्नाटक), मंत्रालय की 'प्रशाद' योजना के तहत विकास के लिए अभिज्ञात स्थलों में से एक है।

****